समस्या के स्त्रोत

(Sources of Research Problem)

किसी भी शोध प्रक्रिया में समस्या का निर्धारण एक अत्यन्त ही जटिल कार्य होता है। इस कार्य में आसानी के लिए शोधकर्त्ता कुछ स्त्रोतो (Sources) का सहारा लेता है जिसमें शोध समस्या का निर्धारण करना अपेक्षाकृत आसान हो जाता है। ऐसे स्त्रोतो मे निम्नांकित स्त्रोत काफी प्रचलित एवं प्रमुखतः इस्तेमाल किये जाते है :–

1) व्यक्तिगत अनुभव (Individual Experiences): शोधकर्त्ता अपने अनुभव के आधार पर यह जानने का प्रयास कर सकता है कि किस क्षेत्र में किस तरह की समस्याए विद्यमान है जिसका समाधान खोजना आवश्यक है जिसकी पूरी जानकारी किसी को नही है। जिनके उत्तर कही उपलब्ध नही है कितने ऐसे प्रकरण तथा प्रंसग है जो अनुक्तरित है। इस आधार पर यदि शोधकर्त्ता मे अनुभव में कोई समस्या आती है तो शोध समस्या के रूप में वह चयनित कर सकता है। उदाहरण के लिए एक अध्यापक को विद्यालय में काम करते हुए छात्रो, सहयोगियो, प्रधानाचार्य आदि के साथ निरतंर अन्तक्रिया के फलस्वरूप जो अनुभव होते है उन्ही में शोध समस्याऍ उपलब्ध हो सकती है। शोधकर्त्ताओ को मानवीय व्यवहारो के सम्बन्ध में जो अनुभव होते है उनमें शोध समस्याओं के संकेत मिल सकते है।

2) संदर्भ साहित्य का अध्ययन (Study of Related literature) :– शोधकर्त्ता का अध्ययन शोध समस्या के चयन का दूसरा स्त्रोत है। प्रत्येक क्षेत्र में विभिन्न विषयो पर बहुत सा साहित्य उपलब्ध है। सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन करने पर यह पता चलता है कि उपलब्ध ज्ञान का कहॉ उपयोग किया जा सकता है। उसके आधार पर किन घटनाओं की व्याख्या की जा सकती है। यहॉ पर उसमें अपूर्णता है आदि। पढते–पढते कई प्रकार के प्रश्न भी मस्तिष्क में उभर कर आते है। जिसका उत्तर खोजना महत्वपूर्ण हो सकता है प्रत्येक क्षेत्र में बहुत से ऐसे सिद्धान्त (Theory) कथन सुझाव हो सकते है जिनका उत्तर खोजना महत्वपूर्ण हो सकता है।

3) पूर्ण हो चुके अनुसन्धान/ोध का सर्वेक्षण (Survey of complete research / Prior researches):- प्रत्येक क्षेत्र में पहले ही बहुत से अनुसन्धान हो चुके है। इन शोधो का अध्ययन करने पर शोध की नई समस्याऍ उभरकर सामने आती है। इन शोध का अध्ययन करने पर मस्तिष्क में यह बात उभरकर आती है कि यहॉ पर कोई चीज अथवा कुछ ऐसा छूट गया है, जिसका अध्ययन करना आवश्यक है। जो अनुसंधान पूर्ण हो चुका है उसे आगे कैसे बढ़ाया जा सकता है। उसमें दूसरे महत्वपूर्ण चरो को जोड़कर पुनः उक्त समस्या पर कार्य किया जा सकता है। उसी अध्ययन को दूसरे परिपेक्ष्य में भी किया जा

सकता है आदि। इन शोध का अध्ययन करके यह भी ज्ञात होता है कि उस क्षेत्र में शोध की भावी संभवनाएं क्या है क्योंकि प्रत्येक शोध के अंत में भावी सम्भवनाओ का जिक्र होता है। इन सम्भवनाओ पर कार्य करने पर एक नयी योजना/समस्याओं पर विचार किया जा सकता है।

4) समाजिक तकनीकी तथा भौक्षिक परिवर्तन (Changes in social, teehnalogical & education):- प्रत्येक देश में समाजिक, तकनीकी तथा शैक्षिक प्रकार के अनेक परिवर्तन होते रहते है। शिक्षा नीतियॉ बनती है तथा शिक्षा की व्यवस्था में परिवर्तन किए जाते है। देश में तकनीकी परिवर्तन भी होते है। समाज में भी बदलाव आता रहता है। इन परिवर्तनो के कारण भी बहुत सी समस्याऍ भी उत्पन्न होती है। इन समस्याओं के समाधान खोजना व्यक्ति तथा समाज के दृष्टिकोण से आवश्यक होता है। इसी पृष्ठभूमि में शोध की समस्याओं का जन्म होता है। इन परिवर्तनों का आलोचनात्मक ढंग से विश्लेषण करने पर कितनी ही समस्याऐ उत्पन्न हो सकती है।

होल्मेस (Holmesh) का मत है कि निम्नलिखित प्रश्न शोधकर्ता को समस्या के चयन में सहायता प्रदान कर सकते है :–

– सम्बन्धित क्षेत्र में जो व्यक्ति वास्तव में कार्यरत है उनके समक्ष किस प्रकार की समस्याऍ उत्पन्न होती है।

– वर्तमान में तथा पिछले कुछ वर्षो में किन समस्याओं पर शोध किया जाता है ?

– सम्बन्धित क्षेत्र में जो शोध हुए है उनमें किस प्रकार के तथ्य प्रकट हुये है ?

– इन नियमो तथा तथ्यो की व्यवहारिक उपयोगिता क्या है ?

– सम्बन्धित क्षेत्र में किए गए अनुसन्धानो के परिणामों का व्यवहार में कहॉ तक प्रयोग किया गया है ?

– किस प्रकार की नई समस्याऐ शोधो में प्रकट हुई है ?

– सम्बन्धित क्षेत्र में शोध किए जाने वाले मार्ग में प्रमुख कठिनाईयॉ कौन सी है।

– शोधो में कौन–कौन सी प्रमुख कठिनाईयॉ है ? तथा किन तकनीको तथा प्रक्रियाओं का विकास किया गया है ?

बेस्ट एवं काहू (Best and Kahn, 1992 **)** ने शोध समस्या की उत्पत्ति मे निम्न स्त्रोतो का वर्णन किया है :–

(1) कार्यक्रमित निर्देश (Programmed instruction)

(2) टेलीविजन निर्देश (Television instruction)

(3) टीम प्रशिक्षण (Team Teaching)

(4) घरेलु नीतियॉ एवं अभ्यास (Home work policies & practies)

(5) पाठ्येक्तर कार्यक्रम (Extracurricular ativities)

(6) खुला वर्ग (Open classroom)

(7) पाठ्य पुस्तक (Text book)

(8) स्वतंत्र अध्ययन कार्यक्रम (Free / Independent study program)

(9) यौन शिक्षा (Sex education)

(10) विशेष शिक्षा (Special education)

(11) केस अध्ययन (case studies)

(12) समाजिक आर्थिक अध्ययन एवं शैक्षिक उपलब्धि (Social-economics studies and educational actievenult)

(13) दबाव तथा उपलब्धि (Stress & Achievement)

(14) प्रशासनिक नेतृत्व (Administrative Leadership)

(15) आत्म प्रतिमा (Self-image)

(16) छात्रो का व्यवहारिक उद्देश्य (Vocational objectives of students)

स्पष्ट है कि शोध समस्या की उत्पत्ति में एक नही बल्कि कई स्त्रोत है जिसके माध्यम से शोधकर्ता एक वैज्ञानिक शोध समस्या का सृजन करता है।